



Achal Mishra

19 Oct 2004

08:02 AM

Delhi

Model: web-freelalkitab

Order No: 121748702

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 19/10/2004
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 08:02:00 घंटे
इष्ट _____: 05:14:57 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 26:49:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:05:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 08:07:56 घंटे
वेलान्तर _____: 00:15:05 घंटे
साम्पातिक काल _____: 09:59:35 घंटे
सूर्योदय _____: 05:56:01 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:21:46 घंटे
दिनमान _____: 11:25:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 02:07:47 तुला
लग्न के अंश _____: 28:40:57 तुला

चैत्रादि संवत / शक _____: 2061 / 1926
मास _____: आश्विन
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 6
तिथि समाप्ति काल _____: 18:50:58
जन्म तिथि _____: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: मूल
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 16:45:44 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: मूल
सूर्योदय कालीन योग _____: अतिगण्ड
योग समाप्ति काल _____: 23:18:51 घंटे
जन्म योग _____: अतिगण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____: कौलव
करण समाप्ति काल _____: 08:02:43 घंटे
जन्म करण _____: कौलव
भयात _____: 33:57:33
भभोग _____: 55:46:53
भोग्य दशा काल _____: केतु 2 वर्ष 8 मा 25 रि

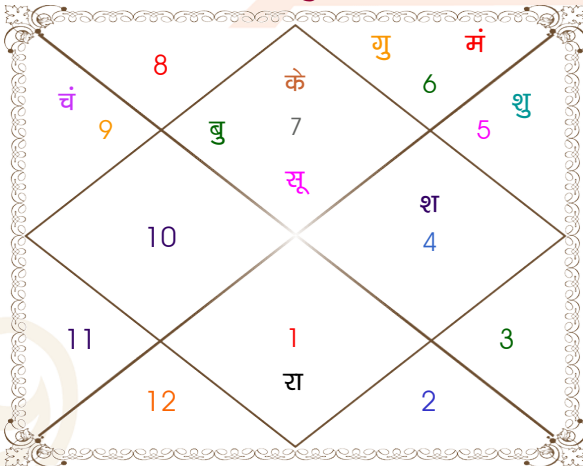
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	तुला	28:40:57	---	--	--	--	नेक
सूर्य	तुला	02:07:47	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	धनु	08:07:23	सम राशि	--	--	--	नेक
मंगल	कन्या	20:50:39	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	तुला	11:08:06	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
गुरु	कन्या	11:11:49	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	सिंह	24:10:33	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
शनि	कर्क	03:02:36	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
राहु	मेष	08:13:51	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
केतु	तुला	08:13:51	सम राशि	--	--	--	मन्दा

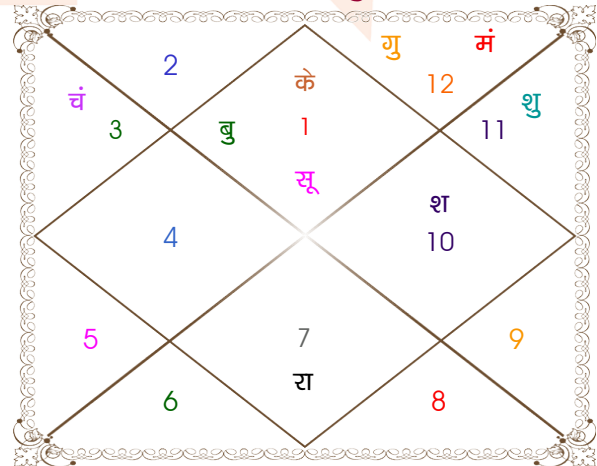
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	हाँ	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पहले खाने में सूर्य है। इसकी वजह से बाहर से मधुर स्वभाव परंतु अंदर से आग का शोला होगी। आपका चाल-चलन अच्छा होगा। आप तेजस्वी, प्रतापी, शत्रुहंता होंगी। आप में आत्मसिद्धि, मानसिक रूप से चिन्तित, मान-सम्मान से युक्त होंगी। सत्ता से लगाव, लेखा-जोखा के कार्य में संलग्न, सभी प्रकार की शिक्षा प्राप्त होंगी। आप विचारों की पक्की बुरे कार्यों से दूर रहने वाली, हर बात में पहल करने वाली, आक्रामक, मुंह तोड़ जवाब देने वाली तथा परिश्रमी होंगी। आप अपने पराक्रम से धन कमा कर धनी होंगी। आप दूसरों की सहायता करेंगी। आप ठोकरें खा-खाकर चमकेंगी। आपको सताने वाला नष्ट हो जाएगा। आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। धार्मिक कार्य और परोपकार में धन लगाने से उन्नति और विद्य 1 में वृद्धि होगी। 24 वर्ष की आयु में विवाह शुभ रहेगा, संतान एवं पति का सुख मिलेगा, अच्छे कार्य में अगुवा रहेंगी। गरीबों की मदद्गार एवं क्रोधी होंगी। आप किसी बात को सुन कर फिर देख कर विश्वास करेंगी। सिर गंज पड़े तो धनवान होने का समय आयेगा, आपके स्वतंत्र विचार रहेंगे और यात्रा से लाभ मिलेगा। सरकारी विभाग में उच्चाधिकारी या सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध होंगे और उनसे लाभ पा सकती हैं। आप जनता के लाभार्थ कार्य करेंगी।

यदि आपने जनता से दुर्व्यवहार किया या परिवार-कल्याण के कामों में विघ्न पैदा किये या मकान के अंत में अंधेरा कमरा रोशनी में बदला तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से शरीर की हड्डी में रोग, दिल की धड़कन के संबंध में प्रतिकूल फल मिलते हैं। क्रोध करने और दुर्वचन बोलने से रक्तचाप का रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मांस-मदिरा का प्रयोग न करें।
2. दिन के समय संभोग न करें।

उपाय :

1. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य दें।
2. मकान के अंत में अंधेरी कोठरी/कमरा बनायें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में चंद्रमा पड़ा है। इसकी वजह से मैदाने जंग में हार या हानि नहीं होगी। आप मधुरभाषिणी, परिश्रमी, सच्चरित्र, मृत्युरक्षक एवं भातृ सुख से पूर्ण रहेंगी। चंद्रमा आपके सहायक हैं। चोरी से बचाव होगा। भाई से धन-दौलत प्राप्त होगी। जन्मदिन के बाद का हर तीसरा महीना श्रेष्ठ रहेगा। आप साहसी होंगी। हर प्रकार की शरारत

का जवाब देने की आप में क्षमता होगी। आपके मन में शांति रहेगी। सांसारिक जीवन में भी आप योगी जैसे स्वभाव की होंगी। यदि आप साधू हो जाएं तो ऋद्धि-सिद्धि की साधना की मालकिन होंगी। गृहस्थी, धन-दौलत की भंडारी होंगी। आपके परिवार में स्त्रियों की संख्या अधिक होगी। आपके घर में पुरुषों की इज्जत होगी तो आपका भाग्योदय होगा। आपका पति से प्रेम और सेवा उत्तम फल देगी। कुदरत लंबे हाथों से आपकी मदद करेगी। गरीबों पर तरस खाएंगी। आपके पिता/ससुर को कम और माता/सास को अधिक सुख मिलेगा। माता-पिता/सास-ससुर में से एक की लंबी आयु होगी। दिमागी शक्ति अच्छी रहेगी। लड़की की शादी में उसके ससुराल वालों से पैसा लेना जहर जैसा असर देगा। आप सरकार या विद्यापीठ से सम्मानित होंगी। आपको शतरंज-तैराकी का शौक हो सकता है।

यदि आप होस्टल वार्डनर हैं और विद्यार्थियों का सामान खुर्द-बुर्द किया, रिश्तेदारों का विरोध किया, भाई-बहन का हिस्सा दबाया या ब्याही बहन का धन लेकर वापिस न किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से भाई-बहन को अपमानित किया या भाई-बहन को दुःखी किया तो आपके घर में चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. बहन-भाई/ननद से झगड़ा न करें।
2. यतीमों का सामान हड़प न करें।

उपाय :

1. लड़की/बहन के विवाह में कन्यादान करें।
2. लड़के के जन्म पर गुड़-गेहूं-तांबा दान करें।
3. लड़की के जन्म पर दूध-चावल-चांदी का दान करें।
4. दुर्गापाठ या कन्याओं की सेवा करें।